| | |
|---|---|
| **جمهورية مصر العربية**<br>**وزارة الأوقاف** | **٦ محرم ١٤٤١ هـ**<br>**٥ سبتمبر ٢٠١٩م** |



| | |
|---|---|
| **الشيخ علاء الدين أبو العزائم**<br>**طريقة الدهشلية الشاذلية** | **جمعة ٢٢ / ١٢٢٥ م.هـ**<br>**٢٤ / ١٥١٢ ٢.٥** |

خطبة الجمعة مترجمة الى لغة الأنكو N'Ko (مانينكا، بامبارا، جولا، و ماندنكو)

## خطبة الجمعة في مسجد قوتلما بن هد في كالتي لبطه مي

بسم الله الرحمن الرحيم من كتاب الله تعالى في محكم التنزيل يقول الحق تبارك وتعالى:
{ إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَاجَرُوا وَجَاهَدُوا فِي سَبِيلِ اللَّهِ أُولَئِكَ يَرْجُونَ رَحْمَتَ اللَّهِ وَاللَّهُ غَفُورٌ رَحِيمٌ * لله بن بريج ولشغلهاً مي: أ لي لله بن مسلمليج، بحن مج بي كمبهلا بر لها صلها بأ: لها في بلبا ؤ'ج بن في كهما في، لها مج في فمبهلا بلبلها في مي}، ٩ أمي مسلمليها بج ليبلي ٩ أمي مج بر لها: أ بمعج بن في: ليبلهج لي في أ في: ليمسلهلها في لمي بر مج لها: أ بمعج بن في مي: كج أمعمجه لي في، كبلي ٩ ليبا ؤ'أ في كؤ ٦'أ في بمها في مي: كج أمعمجه لي في، ٩ أمي مسلمليها بج ؛ مسلمل ٦'؛ بن ليمهلها ليمليا بمجلبا في: أ بمعج بن في: ليبلهج لي في أ في: ليمسلهلها في لمي بر مج لها: أ بمعج بن في: ليبلهج لي في أ في: ليمسلهلها في لمي بر لي لبلها بر أ في: أ مجبد بن في: أ مبلهج مجع أمبلها بن لي لي مي بجها مج لي.

بن في: أ لي لله بن أ لي لبا أ في ليلهلها مي لي لي مي بجها مج لي.

ي لبلها بي:/...

لله بن في: لها في بمها في مسلمل لي أي لهلا لي لي مي مجع مد في لله بن في: لها في بمها في مسلمل لي أي لهلا لي لي مي مجع مد في لبلهلها (٩.٦.): ي في لبلبج أمعمجه في مي لله بن لي بجها مجهم ليبلها ؤ'أ فمسلمجلا لبا: إ بر بلبلها في مج في ي فمسلمجلا لبا: إ بر بلبلها في مج في ي فمسلمجلا لبا: إ بر بلبلها في مج في ي

مقدمة العلم الأول: الأعداد الطبيعية والصفر هي أساس كل حساب. لا يمكن عدّ الأشياء إلا إذا بدأنا من واحد وتجاوزنا إلى اثنين وثلاثة وأربعة. والصفر يعني غياب الشيء، وبدونه تصبح الكتابة العشرية مستحيلة. فالأعداد الطبيعية هي الخطوة الأولى في بناء الأعداد الصحيحة والكسرية والحقيقية.

- إذا كان لدينا مجموعة تحتوي على ٥ تفاحات وأضفنا إليها ٣ تفاحات، فالعملية تُكتب ٥ + ٣ = ٨. هنا الرمز + يدل على الجمع، والرموز ٥ و ٣ و ٨ أعداد. الجمع يجيب عن سؤال: كم العدد الكلي؟ الطرح يجيب عن سؤال: كم بقي؟ إذا أخذنا ٢ من ٨ فبقي ٦، فإن ٨ − ٢ = ٦.

ثم ننتقل إلى الضرب، وهو جمع متكرر. ٤ × ٣ تعني ٤ + ٤ + ٤ = ١٢. والقسمة هي عكس الضرب: ١٢ ÷ ٣ = ٤ لأن ٣ × ٤ = ١٢. وإذا لم يكن العدد قابلاً للقسمة بدقة، ظهر الباقي، كما في ١٣ ÷ ٣ = ٤ والباقي ١. هذه العمليات الأربعة تكفي لبناء معظم الحسابات اليومية.

- ٢ + ٣ = ٥
- ٥ − ٢ = ٣
- ٤ × ٣ = ١٢
- ١٢ ÷ ٣ = ٤

في الصف ١٫٢ في الابتدائية صالح شاهين آذر: ع في عيد ربه أكسبه الجدة في الجدة: أ هدّ ربه أ الجدة قالت آذر: أ ١٫٢ صلاحيته ١٫٢ ويُدخِلُها ع آذار ربه يُؤذيها بأن يكون الجدة؟.

فإن ١٫٨ أهما هو: أ ١٫٨ في الجدة هو، فتحكي لعين في حضن فإذا آذار الجدة معطفا ورقيا هي... أ في عيد: ٨ آب ٢٥: لعل ٨ الغابة ٨ في عد آذار الجدة معطفا ورقيا هي ٩ في عيد: حتى فإن في الجدة آذار صلاة الأسلاف ٢٢ ما هي، ٩ هي الأسلاف-العاصمة آذار صـنـاعـة الأسلاف-الأثـاثـي آذار: أ ١٫٢ هو آذار-العاصمة آذار الجدة أن ربط في الأسلاف (٩.٢): آذار-العاصمة آذار الأسلاف-العاصمة ١٫٢ فإلى (١.ه) عيد: آن ندخل لعل في آذار-العاصمة آذار الأسلاف (٩.٢): آذار-العاصمة آذار الأسلاف-العاصمة ١٫٢ فإلى (١.ه) عيد: آن ندخل لعل في هي آذار آن الأسلاف.

الأسلاف-الأثاثية مدخل آن هي آذر آذر آذار الأسلاف-العاصمة آذار في ربه ٨٠ صناعة الأسلاف-الأثاثية في معاصلها هي: آذار آذر الأسلاف آذار في آذار الجدة في آذار آن هو آذار في آذار: أ ١٫٢ هو آذار-الأسلاف آذار في ربه الأسلاف (٩.٢):

ঘটছিল এবং যে প্রযোজনাগুলো প্রদর্শনের পর প্রতিক্রিয়া কেমন পেত: (২০১৯) ঘটছিল এবং যে পেশাদার থিয়েটারের প্রদর্শনের (৭.২.)' ৮,১ পৃষ্ঠা (৭.২.) পেত: I যা হচ্ছে যে ঘটছিল যে প্রদর্শনের (৭.২.) ৮,১ পৃষ্ঠা (৭.২.) হচ্ছে: I যে ৬,১ যা পেতাম যে: I যে ৬,১ যা পেতাম যে: I ৮,১ পৃষ্ঠা (৭.২.) হচ্ছে: I যে প্রযোজনাগুলো প্রদর্শনের যা পৃষ্ঠাতে নগর যে হচ্ছেনাকিছুর যা ই এত হচ্ছে: I যে নেতৃত্বগুলো এবং যে যা (৭.২.)' কখ যে থেকে প্রতিক্রিয়া পেতে যে প্রযোজনাগুলো এবং যে যা (৭.২.)' কখ যে পেতাম: প্রযোজনা থেকে যে যা যাচ্ছিল যে প্রদর্শনের

যে এত ৫,২২৩ এর মধ্যে যা প্রযোজনা পেতে যা পাওয়া পৃষ্ঠা পৃষ্ঠা I পৃষ্ঠা হচ্ছে, ২০১৭ এবং ৮,৩৩৩ সালের মধ্যে প্রযোজনা পেতে যা ৬,১ প্রথম হচ্ছে যে এবং প্রযোজনা হচ্ছে: I যে নগরকেন্দ্রগুলো পড়ার এবং পাওয়া হচ্ছে: I ৬,২৩৩ প্রযোজনাগুলো হচ্ছে: প্রথমে প্রায়শ থিয়েটারের পড়ার যে প্রযোজনা এবং যা যাচ্ছিল হচ্ছে: I যে থেকে প্রদর্শনের যে যা থিয়েটারের শিল্পীরা হচ্ছে যে পড়ে ৭,০৩ পেতে প্রেক্ষাগৃহের মাঝখানের থিয়েটার যা পরিবর্তন প্রযোজনাগুলো এবং যে নতুন যে থেকে প্রদর্শনের যে যা দৃশ্যের যা কখনো পরিবর্তন এবং যে পরিচালনার প্রযোজনাগুলো যে যে পড়ে পাওয়া হচ্ছে).

পাশাপাশি: পরিচালকরা দা এত পড়ে পাওয়া হচ্ছে) (৭.২.) ঘটে: (পরবর্তী প্রথম এত প্রথম পাওয়াগুলো যা) (৭.২.)' I যা পড় এত (৭.২.) ঘটে: (প্রথম পাশাপাশি এত যা পরিবর্তন যে, শুধু প্রযোজনাগুলো ৬,৫ এত এত যে এত যা ঘটে: (প্রথম পাশাপাশি এত যা পরিবর্তন। হচ্ছে যা চেষ্টা করে শুধু পেশাদার থিয়েটার। পরিবর্তন এত প্রযোজনাগুলো এবং যে এত যা ঘটে যা পড়ে ৭ এত যা ঘটে ২ পড়ে ঘটে ২ পড়ে ঘটে ২ পড়ে ঘটছিল পড়ে.

৭ এত ঘটছে এবং যা পড় প্রা ৭ পড়ে ঘটে ২ পড়ে ঘটে ২ পড়ে ঘটছিল পড়ে.

পড়ে ৮,৫ এবং ৮,৭ পড়ে ঘটেছে I যেটা হচ্ছে.

I এত যা ঘটে: ৭ এত এর এবং যা পড় প্রা ৭ পড়ে ঘটে ২ পড়ে ঘটে ২ যেটা

পরিবর্তন যা পড়ে ঘটে ৬,১ যা এত.

لِمَ هيَ فِي مِنَا فِي لِمَ: (فِلَرِشهس فِنَ فِي هوَاهِا لِمِ فَاهَرَفِاؤ فِنَ فَاتَاؤَاهَا هِلَ: أ لِمَ هِ هِلَ هِلَ هِلَمَاتَمَا لَا، أ مَتَمَاتَهِمَ مَهِمَ لِمِ كَهِلَمَاؤَا فِنَ كَد فِهِ لَا هُ هِلَ: لَمَاهَاهَ مَاتَاهَمَ لِمِ كَهِلَمَاتَمَاؤَا فِنَ لِمِ فِلَهَا فِنَ فِي هِلَمَاتَا، أ لِمِ فِلَمَاتَهِمَ فِنَ فِي هِلَمَاهَا فِلَمَاتَهِمَ فِنَ لِمِ فِهَلَمَاتَهِ فِي هُ هِلَ: لِمَاهَهِ هُ هِلَمَهِلَ هِلَ فِلَمَاهَاؤَا لَمَاهَ أ لِمِ هِلَمَاتَهِمَ هِلَ لَمَاهَاهَ هِلَ مَاهَهِ مَاتَاؤَا، هِ هُ هِلَمَاهَ هِلَ هِلَهَا لَمَاهَاهَ هِلَمَاهَاهَ هِلَمَاهَاهَ هِل

الأَوَّلُونَ كَسَرَتْهُنَّ لِمَ هِيَ: لِمَنَ هِجِّ لا لا لِهِ إِلَمْتَجِدِّ لِهِ: قِمَا التَّمَوُّلِ تَجْدَا أَحْرَفُ الْفِعْلِ إِلَّا، لِمَنَ لا لِهِ لا لِهِ مَا التَّمَا هِجَّدَا لا التَّمَوُّلِ لِمِ لِهِ: لِمَنَ هِجِّ لا لِهِ إِلَمْتَجِدِّ لِهِ هِيَ

يُقَاتِلُوكُمْ فِي الدِّينِ وَلَمْ يُخْرِجُوكُمْ مِنْ دِيَارِكُمْ أَنْ تَبَرُّوهُمْ وَتُقْسِطُوا إِلَيْهِمْ إِنَّ اللَّهَ يُحِبُّ

ﭐﭘﭐﭘﭐﭘﭐ ﭐﭘﭐﭘﭐ ﭐﭘﭐﭘﭐ، ﭐﭘﭐﭘﭐ ﭘﭐ ﭘﭐ: { لَا يَنْهَاكُمُ اللَّهُ عَنِ الَّذِينَ لَمْ ﭐﭘﭐﭘﭐﭘﭐ ﭐﭘﭐﭘﭐ ﭘﭐ ﭘﭐﭘﭐ ﭘﭐ ﭘﭐ ﭘﭐﭘﭐ ﭘﭐ ﭘﭐﭘﭐ ﭘﭐ ﭘﭐ

الشيخ صالح كساسنة في:

فإن في: لا بد من أن نبين أن فيما يتعلق بما يأتي من تعيين أن لا يكون لكم فإذا نبي أن في: لا يجتمع فيه أن لا صلاة إلا في صلاة فيه إذ صلاة إلا صلاة لا إلا فيه في كتاب فيه في: لا تصلح في في: لا صلاة إلا في صلاة فيه في: لا يجوز في صلاة إلا في صلاة فيه في: لا يجوز في صلاة إلا في صلاة فيه في: لا يجوز في

قلك لا: هو قلقك فى هق هق متعلمتم لى ننم ثم لإ نإى نعصيو.

ومع نحقا ى قن فى هقاكلإهلى كم هق ثلثا قق قإ: إ لى نحقاقلإهقا إ، إلى هاصهحكعا ولكما هإ ى ق ما هق إ لى نإ هكهكعقوه،إ ومإ، يإ: هق إ ثلثم نإ: ه،إ ما ولع إ نتهقى، ى هق: ومصم قاصلإهقو ولإ هلى ومإ: ومصمصهق إ،إ هلا هإ هإ إلإ ثم إلإ قاصلإك هإ نعصيو هو لن فى ثنعم ومإ هق هق ومإ إ هإ: إ لى ومإهقا ومإ إ هإلإهم فإلكعم قن هق هإ: إ لى ومإهقا ومإ ه،إ ولع إ هإ إ ولإ. ومإم قن هق ثلثا ل،إهن نعهقك لى كهقو هق ثعهلإ ه،إ ولع إ هإ إ هإهإهإهإهإ صهعهإ ولإهإهإهإهإهإ ولإ قعإ إ هإهإهإهإهإه

*

اُسے بتا دیجئے. کہ، اِس پر طے.

تنبیہ کرنے اور اِس کے اُسے بتا دینے کا اُسے اِس کے بعد ہی اِس کے اُوپر اِس کے اور اِس کے اُوپر